अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 55 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 25 फ़रवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

राष्ट्रीय रिवर्स बायर–सेलर मीट का सफल समापन

द्वीपों के कृषि, मत्स्य एवं संबद्ध क्षेत्रों के उत्पादों के लिए मुख्यभूमि बाज़ारों से मजबूत व्यापारिक समझौते

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

कृषि, मत्स्य एवं उद्योग विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा भारतीय वाणिज्य मंडल के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय रिवर्स बायर–सेलर मीट (एनआरबीएसएम) का आज मेगापोड रिज़ॉर्ट, श्री विजय पुरम में सफलतापूर्वक समापन हुआ। 23 से 24 फरवरी तक हैडो में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यभूमि भारत से आए खरीदारों तथा द्वीपसमूह के विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में समुद्री उत्पाद, नारियल एवं नारियल आधारित उत्पाद, देशी मसाले, विदेशी उष्णकटिबंधीय पुष्प एवं अन्य मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों का प्रतिनिधित्व किया गया। मीट के दूसरे दिन संरचित बी2बी बैठकों का आयोजन किया गया, जिससे खरीदारों एवं विक्रेताओं के बीच प्रत्यक्ष व्यापारिक संवाद एवं बाज़ार संपर्क स्थापित हो सके। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, आगंतुक खरीदारों एवं स्थानीय उद्यमियों के बीच एक विस्तृत संवाद एवं फीडबैक सत्र भी आयोजित किया गया। इस दौरान खरीदारों ने द्वीपसमूह से समुद्री उत्पाद, मसाले एवं नारियल आधारित उत्पादों के व्यापार को प्रारंभ एवं विस्तारित करने में गहरी रुचि व्यक्त की। कई खरीदारों ने नियमित खरीद प्रारंभ करने की तत्परता भी दर्शाई।

सचिव (मत्स्य, कृषि एवं उद्योग) श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस) एवं निदेशक मत्स्य, श्रीमती जगताप कल्याणी राजेंद्र ने संवाद सत्र में भाग लिया। उन्होंने खरीदारों एवं विक्रेताओं को आश्वस्त किया कि प्रशासन आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने, आवश्यक प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध कराने, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स में सुधार एवं व्यापार संबंधी बाधाओं के समाधान हेतु निरंतर सहयोग प्रदान करेगा, ताकि मुख्यभूमि–द्वीपसमूह व्यापार साझेदारी को सुदृढ़ किया जा सके। कार्यक्रम के अंतर्गत आगंतुक खरीदारों को जंगलीघाट स्थित फिश लैंडिंग सेंटर, बिड़नाबाद का स्पाइस गार्डन, डॉलीगंज औद्योगिक क्षेत्र की एक मछली प्रसंस्करण इकाई तथा स्थानीय हस्तशिल्प एवं मूल्यवर्धित उत्पादों के प्रदर्शन हेतु सरकारी एम्पोरियम "सागरिका" का भ्रमण कराया गया। इन अवलोकन यात्राओं से खरीदारों को उत्पादन प्रक्रियाओं, स्वच्छता मानकों, कच्चे माल की उपलब्धता एवं प्रसंस्करण क्षमता की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हुई। मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों ने समुद्री खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर व एक्वापार्क के विकास हेतु चिन्हित भूमि का निरीक्षण भी किया, जो द्वीपसमूह में निर्यातोन्मुख आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फील्ड विजिट के दौरान खरीदारों एवं विक्रेताओं के बीच सक्रिय व्यापारिक वार्ताएं भी हुईं, जिनसे भविष्य के व्यापार विकास की मजबूत नींव रखी गई।

समापन सत्र का प्रमुख आकर्षण नए व्यापारिक साझेदारी समझौतों का आदान–प्रदान रहा। मैसर्स राजा राव सीफूड्स

शेष पृष्ठ 4 पर

वर्ष 2027 हेतु अग्निवीर भर्ती की अधिसूचना जारी, ऑनलाइन आवेदन 1 अप्रैल तक

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

भर्ती वर्ष 2027 के लिए अग्निवीर (पुरुष एवं महिला) तथा ज़ोनल/सेंट्रल श्रेणियों की अधिसूचना 13 फरवरी, 2026 का **www.joinindianarmy.nic.in** पर प्रकाशित की गई है। भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), चेन्नई के अंतर्गत तमिलनाडु के 11 ज़िलों (कुड्डालोर, वेल्लोर, तिरुपत्तूर, रानीपेट, तिरुवन्नामलाई, चेन्नई, तिरुवल्लुर, विलुप्पुरम, कल्लाकुरिची, कांचीपुरम एवं चेंगलपट्टू), पुदुचेरी केंद्रशासित प्रदेश के पुदुचेरी ज़िले तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी ज़िलों के स्थायी निवासियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं उत्तीर्ण), अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं उत्तीर्ण), सोल्जर टेक्निकल नर्सिंग असिस्टेंट, सिपाही फार्मा तथा अग्निवीर जनरल ड्यूटी (महिला सैन्य पुलिस) श्रेणियों के लिए आमंत्रित हैं।

अग्निवीर अभ्यर्थी अपनी पात्रता के अनुसार किसी भी दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। कॉमन एंट्रेंस एग्ज़ाम (सीईई) 13 भाषाओं, जिनमें तमिल भी शामिल है, में आयोजित किया जाएगा। आईटीआई/डिप्लोमा एवं एनसीसी योग्यता प्राप्त अभ्यर्थियों को बोनस अंक प्रदान किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम से **www.joinindianarmy.nic.in** पर आवेदन करना होगा। ऑनलाइन पंजीकरण 13 फरवरी, 2026 से प्रारंभ हो चुका है और 1 अप्रैल, 2026 को समाप्त होगा। जून, 2026 (संभावित) से आयोजित होने वाली ऑनलाइन लिखित परीक्षा के प्रवेश पत्र ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। प्राप्त विज्ञप्ति में अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे प्रवेश पत्र हेतु नियमित रूप से वेबसाइट एवं अपने पंजीकृत ई–मेल आईडी की जांच करते रहें। किसी भी सहायता के लिए अभ्यर्थी भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), चेन्नई, फोर्ट सेंट जॉर्ज कॉम्प्लेक्स (पिन कोड–600009) से दूरभाष संख्या 044–25674924 पर संपर्क कर सकते हैं।

भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः स्वचालित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। अभ्यर्थियों को बिचौलियों/ठगों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है, जो चयन या नामांकन में सहायता का झूठा दावा करते हैं। केवल परिश्रम एवं उचित तैयारी ही मेरिट के आधार पर चयन सुनिश्चित करेगी। किसी भी प्रकार के दलाल या एजेंट की कोई भूमिका नहीं है, अतः अभ्यर्थी ऐसे तत्वों के झांसे में न आएं।

द्वीपों में 2 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित, 1 जुलाई से खुलेंगे विद्यालय

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल ने वर्ष 2026 के लिए सभी सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और गैर–सहायता प्राप्त विद्यालयों में 2 मई, 2026 (शनिवार) से 30 जून, 2026 (मंगलवार) तक 60 दिनों की ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा की है। सभी विद्यालय 1 जुलाई, 2026 (बुधवार) को पुनः खुलेंगे।

शिक्षा निदेशक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तदनुसार, शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए गृह परीक्षा के परिणाम सभी विद्यालयों द्वारा 31 मार्च, 2026 (मंगलवार) तक घोषित किए जाएंगे और नया शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल, 2026 (बुधवार) से प्रारंभ होगा।

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान ने फरारगंज तहसील में विकास कार्यों का आकलन करने हेतु क्षेत्रीय दौरा किया

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त श्रीमती पूर्वा गर्ग (आईएएस) ने प्रशासन द्वारा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने एवं विकासात्मक पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत फरारगंज तहसील के विभिन्न स्थलों का क्षेत्रीय निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त के साथ सचिव (कृषि) श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस), उप मंडलीय मजिस्ट्रेट, दक्षिण अण्डमान श्री कमलेश्वर राव (आईएएस) तथा सहायक निदेशक (कृषि) उपस्थित थे। बृंदाबन निर्वाचन क्षेत्र से ज़िला परिषद सदस्य श्री वी.के. अब्दुल अज़ीज़ भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

दल ने बृंदाबन गांव स्थित रबर बोर्ड के वृक्षारोपण भूमि का निरीक्षण किया। यह स्थल सामुदायिक आधारभूत संरचना के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। ज़िला परिषद सदस्य ने उक्त स्थल पर मिनी चिल्ड्रेन पार्क, साइकिल पार्क, बैडमिंटन कोर्ट एवं दो तालाबों के निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का प्रस्ताव रखा।

शेष पृष्ठ 4 पर

उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान ने बाराटांग के दौरे के दौरान विकासात्मक मुद्दों की समीक्षा की

मायाबंदर, 24 फरवरी

"सम्पर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर" पहल के अंतर्गत 20 एवं 21 फरवरी, 2026 को बाराटांग के दौरे के दौरान उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान, श्री सुशांत पधा (आईएएस) ने फाइबर बोट एसोसिएशन के सदस्यों, पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों तथा एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों/ठेकेदारों के साथ पर्यटन, आधारभूत संरचना एवं जनसुविधाओं से संबंधित विभिन्न विकासात्मक मुद्दों की समीक्षा हेतु बैठकें कीं। बाराटांग में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायुक्त ने फाइबर बोट एसोसिएशन के सदस्यों एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत विचार–विमर्श किया। चर्चा के दौरान जेटी एवं गुफा क्षेत्र की आधारभूत संरचना में सुधार, सुरक्षा एवं पर्यटक सुविधाओं को सुदृढ़ करने, नौका सेवाओं के बेहतर विनियमन एवं सुगमता तथा बालूडेरा समुद्र तट को उभरते पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने जैसे प्रमुख

प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। हितधारकों ने समुद्री संपर्क में सुधार, विशेषकर प्रस्तावित बालूडेरा–स्वराज द्वीप मार्ग को लांग आईलैंड से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जिससे पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की अपेक्षा है। उपायुक्त ने सक्रिय

शेष पृष्ठ 4 पर

जीबी पंत अस्पताल में दुर्लभ अपेंडिक्स कैंसर से पीड़ित महिला की की–होल सर्जरी से सफलतापूर्वक जान बचाई गई

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय उपलब्धि के रूप में जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम के चिकित्सकों ने 67 वर्षीय महिला पर अपेंडिक्स के अत्यंत दुर्लभ कैंसर, जिसे म्यूकिनस एडेनोकार्सिनोमा ऑफ अपेंडिक्स कहा जाता है, का जटिल लैप्रोस्कोपिक (की–होल) ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया। रोगी पेट दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची थीं। सीटी स्कैन एवं कोलोनोस्कोपी द्वारा सावधानीपूर्वक जांच के उपरांत सर्जिकल टीम ने अपेंडिक्स में समस्या का पता लगाया और शल्य चिकित्सा की सलाह दी। ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों को अपेंडिक्स से उत्पन्न एक ट्यूमर मिला, जो अत्यंत दुर्लभ स्थिति है। रोगी पर लैप्रोस्कोपिक राइट हेमीकोलेक्टॉमी की गई, जो एक उन्नत न्यूनतम चीरा शल्य प्रक्रिया है, जिसमें बड़े चीरे के बजाय छोटे–छोटे चीरे लगाकर आंत के प्रभावित हिस्से को हटाया जाता है। यह जटिल ऑपरेशन डॉ. सजी वर्गीज़ और डॉ. अनीस अख्तर खावरी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें डॉ. नारायण के नेतृत्व में एनेस्थीसिया टीम का उत्कृष्ट सहयोग रहा। सर्जरी के पश्चात रोगी की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ। चार दिन बाद उन्हें तरल आहार दिया गया और उन्होंने संतोषजनक रूप से स्वास्थ्य लाभ

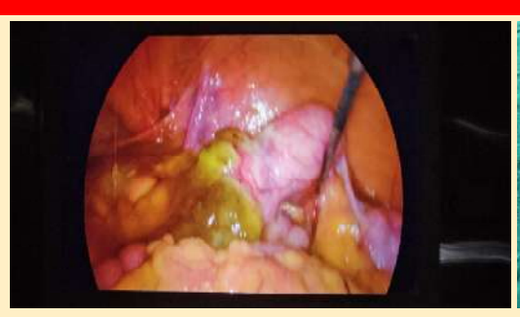

किया। वर्तमान में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है तथा कैंसर उपचार के अंतर्गत अतिरिक्त (एडजुवेंट) कीमोथेरेपी दी जाएगी। चिकित्सकों ने बताया कि यह सर्जरी जीबी पंत अस्पताल में हाल के समय में की गई उन्नत ऑन्कोलॉजिकल मिनिमल एक्सेस सर्जरियों में से एक है। द्वीपसमूह में ही इस प्रकार की उच्च स्तरीय कैंसर सर्जरी उपलब्ध होने से अब मरीज़ों को जटिल उपचार के लिए मुख्यभूमि भारत की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह उपलब्धि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुई है तथा द्वीपवासियों के लिए वरदान के समान है, जिससे उन्नत कैंसर उपचार अब घर के निकट, कम दर्द, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं बेहतर परिणामों के साथ उपलब्ध हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर जेएनआरएम में हुआ स्मरणोत्सव

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 के उपलक्ष्य में यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के तमिल विभाग ने बंगाली विभाग के सहयोग से 20 फरवरी को कॉलेज लेक्चर गैलरी में स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषाई विविधता को प्रोत्साहित करना तथा सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने मातृभाषाओं की सांस्कृतिक परंपराओं और स्वदेशी ज्ञान को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भाषाई जड़ों पर गर्व करने तथा बहुभाषावाद को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के तमिल, बंगाली, तेलुगु, मलयालम, हिंदी सहित विभिन्न भाषाई समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जेएनआरएम के वरिष्ठ प्राध्यापकों—डॉ. रतन मजूमदार, डॉ. मंजू नायर, डॉ. के. वी. रमणा मूर्ति, डॉ. स्वपन बिस्वास और डॉ. मानिक मलिक—ने विविध समुदायों के बीच सौहार्द बनाए रखने में भाषाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जेएनआरएम जैसा बहुभाषी परिसर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की वास्तविक सांस्कृतिक विविधता को प्रतिबिंबित

करता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बंगाली विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रास बिहारी बनर्जी ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर व्याख्यान दिया। समापन संबोधन बंगाली विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योतिर्मय रॉय चौधरी द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण के वैश्विक महत्व पर बल देते हुए संस्थान की भाषाई विविधता के पोषण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का संयोजन तमिल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. तमिल भास्थन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में कविता पाठ, भाषण और समूह गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को रंगारंग बनाया तथा कॉलेज के समृद्ध बहुभाषी स्वरूप को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।

वंडूर तट पर आयोजित दो दिवसीय खाद्य मेले से महिला स्वयं सहायता समूहों को मिला सशक्त मंच

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

दीनदयाल अंत्योदय योजना—राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई—एनआरएलएम) के तहत 21 एवं 22 फरवरी को सामुदायिक विकास खंड, फरारगंज द्वारा दक्षिण अण्डमान के रमणीय वंडूर तट पर दो दिवसीय खाद्य मेला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस खाद्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करना तथा डीएवाई—एनआरएलएम के अंतर्गत तैयार किए गए स्थानीय खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करने हेतु सार्वजनिक मंच उपलब्ध कराना था। इस पहल का लक्ष्य बाज़ार संपर्क को मजबूत करना और महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना भी था।

कार्यक्रम में श्रीमती पद्मावती, प्रमुख, पंचायत समिति फरारगंज, श्री अधिर दास, प्रधान, ग्राम पंचायत वंडूर, श्री भारत शर्मा, समिति सदस्य, वंडूर ग्राम पंचायत, श्रीमती कविता, समिति सदस्य, हम्फ्रीगंज तथा श्रीमती ललिता टिग्गा, बीडीओ, फरारगंज ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज़ कराई। अतिथियों ने स्वयं सहायता समूह की सदस्यों से संवाद किया, स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा महिला उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति की सराहना की।

खाद्य मेले में डीएवाई—एनआरएलएम के अंतर्गत वंडूर, छोलदारी, हम्फ्रीगंज और गुप्तापाड़ा के कुल 17 स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। इन समूहों ने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक, स्थानीय एवं लोकप्रिय व्यंजनों के स्टॉल लगाए। स्टॉलों में प्रदर्शित व्यंजनों ने समूह की सदस्यों की पाक—कला, नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को दर्शाया। मेले को पर्यटकों, स्थानीय निवासियों एवं आगंतुकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने हेतु दोनों दिनों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों एवं सामुदायिक सदस्यों ने प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने मेले में उत्सवमय वातावरण का निर्माण किया और क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता एवं विरासत को उजागर किया, जिससे मेले में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समग्र रूप से, यह खाद्य मेला स्वयं सहायता समूहों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ, जिसने उन्हें पहचान, आत्मविश्वास और आर्थिक लाभ प्रदान किया। यह आयोजन डीएवाई—एनआरएलएम के सतत आजीविका और समावेशी ग्रामीण विकास के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप रहा।

मिनी बे के प्राथमिक विद्यालय में तीसरे टेंट लाइब्रेरी का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी।

युवा शिक्षार्थियों में पठन—पाठन की रुचि विकसित करने के निरंतर प्रयास के तहत शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत राज्य पुस्तकालय द्वारा आज राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मिनी बे, श्री विजय पुरम में तीसरे टेंट लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। यह पहल ज़मीनी स्तर पर बाल—अनुकूल शिक्षण वातावरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य अतिथि के रूप में भातूबस्ती स्कूल के प्रधानाचार्य श्री जे.डी. पुष्पराज ने टेंट लाइब्रेरी का उद्घाटन किया तथा विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें नियमित रूप से पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ज्ञान, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास में पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार टेंट लाइब्रेरी में कहानी की पुस्तकों एवं आयु—उपयुक्त पठन सामग्री की व्यवस्था की गई है, जो खुले और अनौपचारिक वातावरण में बच्चों को उत्साहपूर्वक पढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

एफएनएचडब्ल्यू एवं जेंडर हस्तक्षेपों पर द्वितीय राज्य स्तरीय कोर समिति की बैठक हुई

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

दीनदयाल अंत्योदय योजना—राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई—एनआरएलएम) के अंतर्गत खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं वॉश (एफएनएचडब्ल्यू) तथा जेंडर हस्तक्षेपों पर द्वितीय राज्य स्तरीय कोर समिति की बैठक आज ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (ग्रामीण विकास/पंचायत)/राज्य मिशन निदेशक, एएनआईआरएलएम द्वारा की गई।

यह बैठक अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एफएनएचडब्ल्यू एवं जेंडर हस्तक्षेपों के संस्थागत सु.ढ़ीकरण तथा समन्वय आधारित क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई। बैठक में स्वास्थ्य, आईसीडीएस, समाज कल्याण, शिक्षा, कृषि, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा, राज्य एवं ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण तथा गैर—सरकारी संगठनों—प्रयास, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन और दक्षिण फाउंडेशन—के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में विचार—विमर्श में भाग लिया।

अध्यक्ष ने "जल संरक्षण" के महत्व पर विशेष बल देते हुए समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, ताकि जल का समुचित उपयोग और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। निर्देश दिए गए कि सभी नियमित स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ग्राम संगठन तथा मॉडल क्लस्टर स्तरीय महासंघ की बैठकों में जल संरक्षण संबंधी चर्चाएं अनिवार्य रूप से शामिल की जाएं। साथ ही, एफएनएचडब्ल्यू (खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं वॉश) और जेंडर मॉड्यूल के प्रभावी प्रचार—प्रसार हेतु विभागीय सहयोग से सामुदायिक मंचों को सशक्त बनाने के निर्देश भी दिए गए।

निदेशक (ग्रामीण विकास/पंचायत)/राज्य मिशन निदेशक, एएनआईआरएलएम ने कहा कि एफएनएचडब्ल्यू और जेंडर, डीएवाई—एनआरएलएम के अंतर्गत प्रमुख क्रॉस—कटिंग प्राथमिकताएं हैं और इन्हें सभी आजीविका एवं सामाजिक विकास कार्यक्रमों में समाहित किया जाना चाहिए। अध्यक्ष ने ज़मीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (सीआरपी) के क्षमता निर्माण, संरचित आईईसी अभियानों तथा परिणाम—आधारित निगरानी पर विशेष बल दिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक के अंत में समन्वय प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करने, नियमित जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा खाद्य सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और लैंगिक समानता के बेहतर परिणामों हेतु सतत सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हटबे में 'बालसभाओं के माध्यम से बाल आवश्यकताओं का समाधान' विषयक प्रशिक्षण सम्पन्न

हटबे, 24 फरवरी

'बालसभाओं के माध्यम से बाल आवश्यकताओं का समाधान एवं बालसभा सुदृढ़ीकरण' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज पंचायत समिति सभागार, हटबे, लिटिल अण्डमान में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य बाल प्रतिनिधियों एवं पंचायत कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाते हुए ज़मीनी स्तर पर बाल अधिकारों एवं सहभागी शासन को बढ़ावा देना था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण के दौरान बालसभाओं में बच्चों की भूमिका एवं ज़िम्मेदारियां, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के शिक्षा अधिकार तथा पॉक्सो अधिनियम सहित बाल संरक्षण कानूनों पर जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। विस्तार अधिकारी डॉ. विशाल मंडल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन सत्रोपरांत मूल्यांकन, फीडबैक संग्रहण एवं सामुदायिक विकास खंड, लिटिल अण्डमान के खंड विकास अधिकारी श्री बेल्थेज़र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान ने बाराटांग ——पृष्ठ 1 का शेष

सुझावों की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों से परामर्श कर इन प्रस्तावों की व्यवहार्यता का परीक्षण किया जाएगा। उपायुक्त ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा करते हुए सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों, पाइलिंग कार्यों की स्थिति एवं परियोजना समय—सीमा पर चर्चा की। लंबित कार्यों में तेजी लाने, सुंदरगढ़, अड़ाजिग, नीलांबुर जेटी एवं कदमतला में स्थानीय समस्याओं का समाधान करने तथा शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थानों के निकट उपयुक्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बाराटांग में विकास कार्यों को प्रभावित कर रहे वन एवं राजस्व भूमि से संबंधित लंबित विवादों पर विचार—विमर्श के लिए प्रभागीय वन अधिकारी एवं राजस्व अधिकारियों के साथ पृथक बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने प्रगति सुनिश्चित करने हेतु विधिसम्मत एवं व्यावहारिक समाधान पर बल दिया। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि उठाए गए सभी मुद्दों की संबंधित विभागों के समन्वय से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा बाराटांग एवं आसपास के क्षेत्रों में आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने एवं सतत विकास को बढ़ावा देने की प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उपायुक्त ने खट्टाखाड़ी, राफ्टर्स क्रीक, रजतगढ़, नयागढ़, लोरोजिग (ईएफए) एवं सुंदरगढ़ जैसे दूरस्थ गांवों का भी दौरा किया तथा स्थानीय निवासियों से सीधे संवाद कर ज़मीनी हकीकत का आकलन किया एवं शिकायतें सुनीं। यह दौरा अंतिम छोर तक सुशासन एवं समावेशी विकास के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है। यह पहल आगामी महीनों में ज़िले के शेष सभी गांवों तक विस्तारित की जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार "सम्पर्क से समाधान—प्रशासन गांव की ओर" पहल प्रशासन और नागरिकों के बीच संपर्क को सुदृढ़ करते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि शासन एवं जनसेवाएं उत्तर व मध्य अण्डमान के प्रत्येक घर—द्वार तक पहुंचें।

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान ने फरारगंज ——पृष्ठ 1 का शेष

सुनियोजित एवं सतत विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए उपायुक्त ने संबंधित तकनीकी अधिकारियों, जिनमें कनिष्ठ अभियंता (पीडब्ल्यूडी) एवं कनिष्ठ अभियंता (पीआरआई) शामिल हैं, को प्रस्तावित परियोजनाओं की तकनीकी व्यवहार्यता का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर आकलन करने तथा भूमि के समुचित एवं समग्र उपयोग को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह क्षेत्रीय दौरा विकास कार्यों की निगरानी एवं जनसुविधाओं में सुधार के माध्यम से बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने के प्रति ज़िला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

द्वीपों के कृषि, मत्स्य एवं संबद्ध क्षेत्रों के उत्पादों ——पृष्ठ 1 का शेष

एवं ब्लू ओशन एक्सपोर्ट्स, कोलकाता के बीच द्वीपसमूह से शीतित येलोफिन टूना की मुख्यभूमि बाज़ारों में आपूर्ति प्रारंभ करने हेतु समझौता संपन्न हुआ। इसी प्रकार, श्री विजय पुरम स्थित मैसर्स वर्साडी मरीन फूड्स एवं एन.एस. सीफूड्स के बीच मैकेरल व्यापार प्रारंभ करने के लिए एक अन्य समझौते का आदान—प्रदान किया गया, जो इस मीट के ठोस व्यावसायिक परिणामों का संकेत है।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने भारतीय वाणिज्य मंडल तथा अण्डमान निकोबार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रति खरीदारों की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं व्यापारिक संवाद को सुगम बनाने में उनके महत्वपूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रशासन ने राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, स्पाइस बोर्ड इंडिया, नारियल विकास बोर्ड एवं रैम्प जैसी वित्तपोषक एवं सहयोगी संस्थाओं के योगदान की भी सराहना की, जिनके सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका। एनआरबीएसएम का सफल समापन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के कृषि, मत्स्य एवं संबद्ध क्षेत्रों को राष्ट्रीय बाज़ारों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस कार्यक्रम ने खरीदार—विक्रेता संपर्कों को सुदृढ़ करने, निर्यात संभावनाओं को बढ़ावा देने, मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने तथा किसानों, मछुआरों एवं स्थानीय उद्यमियों की आय में वृद्धि के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

एसबीआई—आरएसईटीआई द्वारा महिलाओं हेतु निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (एसबीआई—आरएसईटीआई), श्री विजय पुरम द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की बेरोज़गार महिलाओं के लिए मार्च, 2026 में निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय के दिशा—निर्देशों के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति में इच्छुक अभ्यर्थियों को आवश्यक शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के साथ एसबीआई—आरएसईटीआई कार्यालय के लैंडलाइन नंबर 03192—236723, मोबाइल नंबर 9933246046 एवं 9933215939 पर सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे के बीच संपर्क करने की सलाह दी गई है। प्रशिक्षण स्थल एसबीआई— आरएसईटीआई, द्वितीय तल, एसबीआई रीजनल बिजनेस ऑफिस, एसबीआई कॉम्प्लेक्स, मोहनपुरा, अबर्डीन बाज़ार, श्री विजय पुरम—744101 होगा।

निःशुल्क बहु—विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर 26 फरवरी एवं 5 मार्च को

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

निकटवर्ती क्षेत्रों के आम नागरिकों के लाभ हेतु 26 फरवरी, 2026 (गुरुवार) को स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्र, हैडो तथा 5 मार्च, 2026 (गुरुवार) को स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्र, डेयरी फार्म, दक्षिण अण्डमान में सुबह 9.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क बहु—विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर हेल्थ 4यू मल्टी—स्पेशियलिटी क्लिनिक द्वारा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शिविर के दौरान डॉ. कुनाल रक्षित, एमबीबीएस, एमडी (आंतरिक चिकित्सा) जरूरतमंद मरीज़ों को अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करेंगे। सभी जरूरतमंद मरीज़ों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त करें।

डेटा एंट्री ऑपरेटर ट्रेड टेस्ट की तिथि परिवर्तित, अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं जारी

श्री विजय पुरम, 24 फरवरी

कृषि विभाग के अंतर्गत पीएम—आरकेवीवाई योजना के तहत संविदा आधार पर 'डेटा एंट्री ऑपरेटर' पद हेतु 28 फरवरी, 2026 को डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, डॉलीगंज, श्री विजय पुरम में निर्धारित ट्रेड टेस्ट अब पुनर्निर्धारित कर 14 मार्च, 2026 को उसी स्थल पर आयोजित किया जाएगा। हालांकि 'सीक्रेटेरियल असिस्टेंट' पद के लिए 28 फरवरी, 2026 को निर्धारित ट्रेड टेस्ट की तिथि यथावत रहेगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रवेश पत्र **www.andaman.gov.in** तथा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ई—रिक्रूटमेंट पोर्टल **https://erecruitment.andamannicobar.gov.in** से डाउनलोड किए जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु कार्य दिवसों में तकनीकी प्रकोष्ठ, कृषि निदेशालय, हैडो से दूरभाष संख्या 03192—233257 पर संपर्क किया जा सकता है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन—229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक–1, श्री विजय पुरम

नीलामी सूचना

F.No. 1283-84/KV1PB/2025-26/35 दिनांक 24.02.2026

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक–1, श्री विजय पुरम के विभिन्न विभागों की निदिंत/अनुपयोगी सामग्री की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 28/02/2026 को दोपहर 2.00 बजे विद्यालय परिसर में की जाएगी। सामग्री का निरीक्षण 27/02/2026 को कार्यालयीन समय में किया जा सकता है। इच्छुक बोलीदाता नीलामी में भाग ले सकते हैं। सर्वोच्च बोलीदाता को नीलामी राशि तत्काल स्थल पर जमा करनी होगी तथा सामग्री को उसी दिन अपने खर्च पर हटाना होगा।

1. विभाग : परीक्षा, चिकित्सा, फर्नीचर, कार्य अनुभव, ए.वी. सहायक अनुभाग।
2. प्रयोगशालाएँ : भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, कम्प्यूटर।
3. पुस्तकालय एवं संसाधन कक्ष।

प्राचार्य
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक–1
श्री विजय पुरम

रिक्ति सूचना

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अधीन जहाजरानी सेवा निदेशालय में एक (01) वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर वेतन मैट्रिक्स (रु. 44,900 – 1,42,400) वेतन स्तर – 7 में "**सहायक समुद्री इंजीनियर**" (समूह "बी" राजपत्रित) के दो (02) रिक्त पदों को भरने का प्रस्ताव है।

इस पद से संबंधित पात्रता की मानदण्ड तथा निबंधन एवं शर्तें वेबसाइट www.andamannicobar.gov.in पर उपलब्ध है।

निदेशक, जहाजरानी सेवा निदेशालय

ई–निविदा आमंत्रित सूचना

सं. ई–निविदा/डी.बी./सि.डि./2026/764 दिनांक 23.02.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निर्माण प्रभाग, अलोनिवि, डिगलीपुर के कार्यकारी अभियंता ने अलोनिवि या किसी अन्य सरकारी विभाग के ठेकेदारों से ऑनलाइन प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की है, भले ही उनकी सूची सशर्त हो, इस पर कि उनके पास सी.पी.डब्ल्यू.डी वर्क्स मैनुअल के अनुसार और इन द्वीपों में अन्य भारत सरकार के संगठनों के साथ समान प्रकार के कार्य का प्रासंगिक परिमाण में क्रियान्वयन का अनुभव हो और उनके विरुद्ध कोई प्रतिकूल टिप्पणी न हो।

1. NIT No. 56/SE/CC-I/2026, कार्य का नाम – सितानगर वार्ड नंबर 6 और 7 में जलापूर्ति में सुधार के लिए जल भंडारण टैंक (क्षमता 3.65 लाख लीटर) और ओवरहेड पीएस टैंक (1.05 लाख लीटर), पम्प हाउस और पंपिंग लाइन का निर्माण एसडी–वी, सीडी, अलोनिवि, डिगलीपुर के अंतर्गत। अनुमानित लागत : रु. 3,54,67,829/–, धरोहर राशि : रु. 7,09,357/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 06 माह। (Tender ID : 2026_APWD_22100_1)

बोली–पूर्व सम्मेलन अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, निर्माण सर्किल संख्या– I, अलोनिवि, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 26/02/2026 को अपराहन 1500 बजे आयोजित किया जाएगा।

निविदा पत्र और अन्य विवरण वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 09/03/2026 को अपराहन 1500 बजे तक होगी। अन्य विवरण या जानकारी वेबसाइट eprocure.andamannicobar.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
नि.मं, अलोनिवि, डिग्लीपुर

Change of Name

I, MT LISA SHREE D/o JC-311489H SUB MAJ MURTHY C residing at Karadiguri (Village & Post), Krishnagiri (Taluk & District), Tamil Nadu - 635 002 has changed my Name from MT LISA SHREE (Old Name) to LISASHREE MT (New Name) as per Affidavit dated 21 February, 2026 before Advocate Notary Public, P. Kannan, Sri Vijaya Puram.

Deponent

सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम 18 से 22 मार्च तक करेगा इंडियन ओपन स्क्वैश की मेजबानी

मुंबई, 24 फरवरी।

भारत में पेशेवर स्क्वैश के बढ़ते कद को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से इंडियन ओपन के 2026 संस्करण की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। टूर्नामेंट 18 से 22 मार्च तक मुंबई के ऐतिहासिक सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष प्रतिष्ठित बॉम्बे जिमखाना में सफल आयोजन के बाद अब प्रतियोगिता अपने दूसरे संस्करण के लिए ब्रेबोर्न स्टेडियम में स्थानांतरित हो रही है। प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) द्वारा मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट का 2025 संस्करण वर्ष के शीर्ष 10 प्रतिष्ठित पीएसए आयोजनों में शामिल रहा था, जो भारतीय स्क्वैश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी गई।

2026 संस्करण में महिला वर्ग की

गत चैंपियन अनाहत सिंह खिताब बचाने के इरादे से वापसी करेंगी। इसके अलावा भारत के शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी रमित टंडन, अभय सिंह, वीर चोत्रानी, वेलावन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा भी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में याह्या एलनवासानी, हाना मोआताज़ और माज़ेन हेशाम सहित अन्य खिलाड़ी शामिल होंगे, जिससे मुकाबले का स्तर बेहद प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है।

इस वर्ष पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 44,500 अमेरिकी डॉलर की समान पुरस्कार राशि दी जाएगी, जो भारत में आयोजित किसी भी स्क्वैश टूर्नामेंट के लिए पहली बार है। पीएसए कॉपर श्रेणी के इस आयोजन से पेशेवर स्क्वैश सर्किट में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा स्पष्ट होती है।

बड़ी पुरस्कार राशि, विश्वस्तरीय खिलाड़ियों की मौजूदगी और आधुनिक आयोजन के साथ इंडियन ओपन 2026 भारत को वैश्विक स्क्वैश मानचित्र पर और मजबूत पहचान दिलाने के लिए तैयार है।

एआई शिखर सम्मेलन पर जारी 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को 91 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

नई दिल्ली में पिछले सप्ताह आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के समापन पर जारी 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को अबतक दुनिया के 91 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन मिल चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारत ने इस मंच के माध्यम से समान पहुंच और वैश्विक सहयोग पर आधारित 'सभी के लिए एआई' के अपने विजन का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। 21 फरवरी तक इस घोषणापत्र पर 88 देशों और दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन (यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास फंड) ने सहमति जताई थी। इस साझा वैश्विक दृष्टिकोण का समर्थन करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, और यूएई जैसे शक्तिशाली राष्ट्र शामिल हैं।

नवीनतम अपडेट के अनुसार तीन और देश इससे जुड़ गए हैं जिनमें बांग्लादेश, कोस्टा रिका और ग्वाटेमाला शामिल हैं। जिससे हस्ताक्षर कर्ताओं की संख्या बढ़कर 91 देशों और संगठनों तक पहुंच गई है। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार यह घोषणापत्र 7 प्रमुख उपलब्धियों पर केंद्रित है। इनमें लोकतांत्रिक प्रसार पर घोषणापत्र, वैश्विक प्रभाव साझा मंच, विश्वसनीय प्रणालियों का साझा भंडार, वैज्ञानिक सहयोग का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, सामाजिक सशक्तीकरण मंच, कार्यबल विकास मार्गदर्शिका, लचीली एवं कुशल एआई के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

घोषणापत्र के तहत आधारभूत संसाधनों तक किफायती पहुंच सुनिश्चित की जाएगी, जिससे विकासशील देश अपनी स्थानीय जरूरतों के अनुसार नवाचार कर सकें। स्वास्थ्य शिक्षा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई के उपयोग से बड़ी चुनौतियों का सामूहिक समाधान खोजने का संकल्प लिया गया है।

देश की पहली आतंकवाद–रोधी नीति 'प्रहार' जारी, तीनों मोर्चों पर खतरे से निपटने की रणनीति तैयार

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

केंद्र सरकार ने देश की पहली राष्ट्रीय आतंकवाद–रोधी नीति जारी की है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सोमवार, 23 फरवरी 2026 को यह नीति अपनी वेबसाइट पर अपलोड की। इस नीति का नाम "प्रहार" रखा गया है। सरकार ने साफ किया है कि भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से जोड़कर नहीं देखता।

नई नीति में कहा गया है कि भारत को जमीन, जल और हवाई तीनों मोर्चों पर आतंकी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। देश की अहम आर्थिक और रणनीतिक संस्थाओं. जैसे बिजली, रेलवे, विमानन, बंदरगाह, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा की सुरक्षा के लिए क्षमताएं विकसित की गई हैं, ताकि राज्य और गैर–राज्य तत्वों से निपटा जा सके।

नीति में कहा गया है कि भारत लंबे समय से "सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद" से प्रभावित रहा है। जिहादी आतंकी संगठन और उनके सहयोगी भारत में हमलों की साजिश रचते और उन्हें अंजाम देने की कोशिश करते रहते हैं। भारत को वैश्विक आतंकी संगठनों जैसे अल–कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से भी खतरा बताया गया है। नीति के अनुसार, ये संगठन 'स्लीपर सेल' के जरिए देश में हिंसा भड़काने की कोशिश करते हैं।

गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि आतंकी संगठनों के विदेशी हैंडलर ड्रोन जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, खासकर पंजाब और जम्मू–कश्मीर में। इसके अलावा,

साइबर हमलों के जरिए भी भारत को निशाना बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया, इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप, एन्क्रिप्शन, डार्क वेब और क्रिप्टो वॉलेट जैसी तकनीकों का इस्तेमाल आतंकियों द्वारा फंडिंग, प्रचार और हमलों की योजना बनाने में किया जा रहा है, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

नीति में कहा गया है कि रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल, परमाणु, विस्फोटक और डिजिटल सामग्री तक आतंकियों की पहुंच रोकना एक बड़ी चुनौती है। ड्रोन और रोबोटिक्स के घातक इस्तेमाल की आशंका भी जताई गई है। गृह मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में एफआईआर दर्ज होने से लेकर अभियोजन तक हर चरण में कानूनी विशेषज्ञों को शामिल किया जाए, ताकि दोषियों के खिलाफ मजबूत केस तैयार किया जा सके। नीति में यह भी कहा गया है कि आतंकी संगठन स्थानीय आपराधिक नेटवर्क की मदद से हमले करते हैं। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर सख्त कार्रवाई के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग भी जरूरी है।

इतिहास के पन्नों में 25 फरवरी : सर डॉन ब्रैडमैन–99.94 की औसत वाला अमर शिखर

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

क्रिकेट इतिहास में जब भी महानतम बल्लेबाज की चर्चा होती है, तो सबसे पहले नाम आता है सर डॉन ब्रैडमैन का। ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज ने अपने प्रदर्शन से ऐसा मानदंड स्थापित किया, जिसे आज तक कोई बल्लेबाज छू भी नहीं पाया। 25 फरवरी 2001 को 92 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली, लेकिन उनके रिकॉर्ड आज भी जीवंत हैं।

ब्रैडमैन ने 1928 से 1948 के बीच 52 टेस्ट मैचों में 99.94 की अविश्वसनीय औसत से 6,996 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में यह औसत आज भी अटूट है और आधुनिक युग के तमाम महान बल्लेबाज इसके आसपास भी नहीं पहुंच सके। उनका करियर ऐसे दौर में चमका जब न तो आधुनिक सुरक्षा उपकरण थे और न ही पिचें बल्लेबाजों के अनुकूल मानी जाती थीं।

इंग्लैंड के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। एशेज मुकाबलों में उन्होंने 19 शतक जड़े और कई बार अकेले दम पर मैच का रुख बदल दिया। 1930 में इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने लीड्स में 334 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। उस समय तिहरा शतक लगाना किसी सपने से कम नहीं था। बाद में यह रिकॉर्ड भले ही टूटा, लेकिन उस दौर में यह उपलब्धि अद्वितीय थी।

ब्रैडमैन ने 1934 में भी इंग्लैंड के खिलाफ 304 रन बनाकर एक और तिहरा शतक जमाया और साबित किया कि उनकी प्रतिभा कोई संयोग नहीं, बल्कि असाधारण क्षमता का परिणाम थी। उनकी तकनीक, एकाग्रता और रन बनाने की भूख ने उन्हें क्रिकेट का "डॉन" बना दिया। आज, उनके निधन के वर्षों बाद भी 99.94 का औसत क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक मिथक जैसा है.एक ऐसा शिखर, जिसे छूना लगभग असंभव प्रतीत होता है।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम–1586– अकबर के दरबारी कवि बीरबल विद्रोही यूसुफजई के साथ एक लड़ाई में मारे गये।

1788 – पिट्स रेग्यूलेट्री एक्ट पारित किया गया।

1921 – जार्जिया की राजधानी तिब्लिसी पर रूस ने क़ब्ज़ा किया।

1925 – जापान और पूर्व सोवियत संघ के बीच राजनयिक रिश्ते कायम हुये।

1945 – द्वितीय विश्व युद्ध में तुर्की ने जर्मनी के ख़िलाफ़ युद्ध की घोषणा की।

1952 – नार्वे की राजधानी ओस्लो में छठे शीतकालीन ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।

1760 – लॉर्ड क्लाइव ने पहली बार भारत छोड़ा और 1765 में वापस लौटे। रॉबर्ट क्लाइव ईस्ट इंडिया कंपनी की तरफ से भारत के पहले गवर्नर जनरल थे।

1962 – देश के तीसरे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई। जवाहरलाल नेहरू तीसरी बार प्रधानमंत्री बने।

1964 – विश्व प्रसिद्ध मुक्केबाज मोहम्मद अली, जिन्हें उस समय कैसियस क्ले के नाम से जाना जाता था, ने सोनी लिस्टन को सातवें राउंड में हराकर विश्व हैवीवेट खिताब अपने नाम किया।

1988 – सतह से सतह तक मार करने वाली भारत की प्रथम मिसाइल पृथ्वी का सफल प्रक्षेपण हुआ।

1995 – असम में ट्रेन में दो बम ब्लास्ट हुए। सेना के 22 जवानों की मौत।

रूस–यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने पर जेलेंस्की बोले– 'हम शांति लाने के लिए सब कुछ करेंगे'

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें साल में प्रवेश कर गया है। हालांकि, अमेरिकी मध्यस्थता में दोनों देश युद्ध को खत्म करने के मकसद से बातचीत भी कर रहे हैं। दूसरी ओर युद्ध के चार साल पूरे होने पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, "पुतिन अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। उन्होंने यूक्रेनियन को नहीं तोड़ा। उन्होंने यह युद्ध नहीं जीता। हमने यूक्रेन को बचाया है और हम शांति लाने के लिए सब कुछ करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि न्याय हो।"

रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 को युद्ध शुरू हुआ था, जो अब पांचवें साल में भी प्रवेश कर गया है। दोनों देशों के बीच जारी इस युद्ध की वजह भौगोलिक राजनीति और सुरक्षा को माना जा सकता है। रूस के नजरिए से यूक्रेन पर हमले का एक बड़ा कारण उसके नाटो में शामिल होने की कोशिश और इसकी वजह से पैदा होने वाली सुरक्षा चिंताएं हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होता है, तो इसकी वजह से रूस के लिए खतरा बढ़ जाएगा। पश्चिमी देशों की मिसाइलें और सेना रूस की तरफ मुड़ जाएंगी। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद से यूक्रेन स्वतंत्र हुआ। ऐसे में राष्ट्रपति पुतिन का मानना है कि आजादी के बाद से यूक्रेन का यूरोपीय देशों और अमेरिका की तरफ बढ़ना शुरू हो गया है। यह रूस के लिए एक खतरे की तरह है।

डिजिटल डॉक्टर कहीं आपकी सेहत न बिगाड़ दे, छोटी–मोटी परेशानी के लिए एआई से दवा पूछना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

आज के दौर में जब हमें किसी भी सवाल का जवाब चाहिए होता है, तो हम तुरंत एआई चैटबॉट्स का रुख करते हैं। कई लोग सेहत से जुड़े सवालों का जवाब भी एआई पर खोज रहे हैं। चाहे सिरदर्द हो, पेट में मरोड़ हो या हल्की खांसी, डॉक्टर के पास जाने के बजाय एआई से सलाह लेना ज्यादा आसान और मुफ्त लगता है।

लेकिन अक्सर लोग एआई की दी गई मेडिकल सलाह आपकी सेहत के लिए सही है भी या नहीं, इस बारे में सोचना भूल जाते हैं। इंटरनेट और एआई का बढ़ता इस्तेमाल सेल्फ–मेडिकेशन की एक नई और खतरनाक लहर लेकर आया है। आइए जानें यह डिजिटल डॉक्टरिंग आपकी सेहत के लिए कितनी सही है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एआई मॉडल्स या अन्य चैटबॉट्स कैसे काम करते हैं। ये चैट बॉट्स इंटरनेट पर मौजूद करोड़ों पन्नों के डेटा को पढ़कर आपको जवाब देती हैं। इनके पास न तो मेडिकल की डिग्री है और न ही आपके शरीर की वास्तविक स्थिति को समझने की क्षमता।

मेडिकल हिस्ट्री– एक डॉक्टर आपकी उम्र, वजन, एलर्जी, जेनेटिक्स और पुरानी बीमारियों के आधार पर दवा देता है, लेकिन एआई को आपकी मेडिकल हिस्ट्री का पता नहीं होता।

गलत जानकारी– तकनीकी भाषा में एआई कभी–कभी ऐसी जानकारी भी दे देता है जो पूरी तरह गलत होती है, लेकिन सुनने में बहुत विश्वसनीय लगती है। दवा के मामले में ऐसी एक भी गलती जानलेवा हो सकती है।

एआई से पूछकर दवा लेने के गंभीर जोखिम

गलत डायग्नोसिस– मान लीजिए आपको सिरदर्द है। एआई इसे सामान्य तनाव बता सकता है, जबकि असल में यह हाई ब्लड प्रेशर या किसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्या

का संकेत हो सकता है। गलत सलाह के कारण असली बीमारी का इलाज टल जाता है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

दवाइयों का रिएक्शन– हो सकता है कि आप पहले से ही किसी बीमारी की दवा ले रहे हों। एआई की बताई गई दवा आपकी वर्तमान दवा के साथ मिलकर शरीर में रिएक्शन कर सकती है, जिससे किडनी या लिवर पर बुरा असर पड़ सकता है।

एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस– बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक्स लेना दुनिया भर में एक बड़ी समस्या बन गया है। एआई अक्सर इन्फेक्शन के नाम पर एंटीबायोटिक्स का सुझाव दे सकता है। इनका गलत इस्तेमाल आपके शरीर के बैक्टीरिया को इतना मजबूत बना देता है कि भविष्य में असली दवाइयां आप पर असर करना बंद कर देती हैं।

मशीनें डेटा दे सकती हैं, लेकिन अनुभव नहीं। डॉक्टर आपकी आंखों की चमक, चेहरे की रंगत और नब्ज देखकर जो समझ सकता है, वह दुनिया का कोई भी एल्गोरिदम नहीं समझ सकता। अपनी सेहत के साथ किसी भी तरह का एक्सपेरिमेंट जानलेवा हो सकता है। इसलिए अगर आपको सेहत से जुड़ी कोई भी समस्या है, तो डॉक्टर का दरवाजा खटखटाएं न कि एआई का।

अगर दिख रहे '3पी' लक्षण तो हो जाएं अलर्ट, कहीं पास तो नहीं आ रहा डायबिटीज का खतरा?

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

डायबिटीज मेलिटस एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर है, जिसमें रक्त में ग्लूकोज (शुगर) का स्तर लगातार बढ़ा रहता है। इसकी मुख्य वजह इंसुलिन का कम बनना या शरीर का इंसुलिन का सही उपयोग न कर पाना है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने डायबिटीज मेलिटस के प्रमुख लक्षणों के बारे में जागरूकता फैलाते हुए लोगों से अपने शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करने की अपील की।

मंत्रालय के अनुसार, डायबिटीज एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर है जिसमें रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है और यह शरीर को कई तरह से प्रभावित करता है। इसकी समय पर पहचान और जांच से जटिलताओं को रोका जा सकता है। डायबिटीज के सबसे आम और क्लासिकल लक्षणों को 'तीन पी' के नाम से जाना जाता है।

इनमें पॉलीयूरिया यानी बार–बार और अधिक मात्रा में पेशाब आना। हाई ब्लड ग्लूकोज के कारण किडनी अतिरिक्त ग्लूकोज को बाहर निकालने की कोशिश करती है, जिससे पेशाब बढ़ जाता है। दूसरा है पॉलीडिप्सिया यानी बहुत ज्यादा प्यास लगना। बार–बार पेशाब आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे लगातार प्यास महसूस होती है। वहीं, तीसरा है पॉलीफेजिया जिसमें, अत्यधिक भूख लगना शामिल है। शरीर को ऊर्जा के लिए ग्लूकोज नहीं मिल पाता, इसलिए भूख बढ़ जाती है, लेकिन फिर भी वजन कम होता रहता है।

इनके अलावा अन्य संकेत भी हैं, जैसे बिना किसी वजह के वजन कम होना। लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना शामिल है।

एक्सपर्ट के अनुसार, अगर ये लक्षण दिखें तो तुरंत ब्लड शुगर जांच करवाएं। शरीर के इन संकेतों को अनदेखा न करें और इसे गंभीरता से लें। डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित करने से हृदय रोग, किडनी समस्या, आंखों की परेशानी और नसों के नुकसान जैसी गंभीर शारीरिक समस्याओं से बचा जा सकता है।

डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों को पहचानकर जीवनशैली में बदलाव, संतुलित आहार, व्यायाम और आवश्यक दवाओं से इसे अच्छी तरह प्रबंधित किया जा सकता है। आयुष मंत्रालय आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से भी डायबिटीज प्रबंधन पर जोर देता है। नियमित जांच और जागरूकता से राहत मिलती है।

चुनाव आयोग ने आयोजित किया राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन, सीईसी बोले–भारत की मतदाता सूची में 90 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

भारतीय लोकतंत्र को और मजबूत बनाने की दिशा में भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। करीब 27 साल बाद हो रहे इस सम्मेलन का मकसद केंद्र और राज्यों के चुनावी निकायों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। इससे पहले इस तरह की बैठक वर्ष 1999 में हुई थी।

सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की। इस दौरान चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी भी मौजूद रहे। देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ इस बैठक में शामिल हुए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रियाओं को और प्रभावी बनाना, तकनीक का बेहतर उपयोग करना और केंद्र व राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत की मतदाता सूची में 90 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जो दुनिया में सबसे बड़ी है। इतने बड़े स्तर पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में लगभग 1 करोड़ 80 लाख अधिकारी और कर्मचारी अपनी भूमिका निभाते हैं।

बैठक में 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' के महत्व पर भी चर्चा

हुई। आयोग का कहना है कि मतदाता सूची का सही और त्रुटिरहित होना लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है। सम्मेलन के दौरान 'ईसीआईनेट' डिजिटल प्लेटफॉर्म और ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता पर प्रस्तुति दी जा रही है। आयोग का मानना है कि चुनावी तकनीक और डेटा साझा करने के लिए केंद्र और राज्य चुनाव आयोगों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

संविधान के अनुच्छेद 243K और 243ZA के तहत पंचायत और नगर निकाय चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्य चुनाव आयोगों की होती है। सम्मेलन में इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि मतदाता सूची तैयार करने और पात्रता तय करने की प्रक्रिया में विभिन्न राज्यों के बीच अधिक समानता कैसे लाई जाए। कुल मिलाकर, यह सम्मेलन चुनावी व्यवस्था को और पारदर्शी, सटीक और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 'सेवातीर्थ' में हुई मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि भाषाई आधार पर राज्यों के गठन के बाद से ही केरल के नाम को बदलने की मांग की जा रही थी।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति 'केरल नाम परिवर्तन विधेयक, 2026' के मसौदे को केरल विधानसभा की स्वीकृति के लिए भेजेंगी। इसके बाद संविधान के अनुच्छेद तीन के तहत राष्ट्रपति इस विधेयक पर केरल विधानसभा का मत प्राप्त करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि राज्य विधानसभा की स्वीकृति के बाद केंद्र सरकार इस पर आगे कार्रवाई करेगी और इस विधेयक को संसद में पारित कराने के लिए पेश किया जायेगा।

इससे पहले केरल विधानसभा ने 24 जून 2024 को केरल का नाम केरलम् करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसमें कहा गया था कि मलयालम भाषा में राज्य का नाम केरलम् है। एक नवंबर 1956 को राज्यों का गठन भाषाई आधार पर किया गया था। बता दें कि 1 नवंबर को केरल परिवार दिवस मनाया जाता है। इस प्रस्ताव में कहा गया कि राष्ट्र के स्वाधीनता संग्राम के समय से ही मलयालम भाषी लोगों के लिए एक एकी.त राज्य के गठन की मांग थी, लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम केरल अंकित किया गया।

केरल विधानसभा के प्रस्ताव में कहा गया है, " यह सभा केन्द्र सरकार से सर्वसम्मति से आग्रह करती है कि वह संविधान के अनुच्छेद तीन के तहत केरल के नाम को केरलम् करने के लिए तत्काल कदम उठाए।" गौरतलब है कि केरल में इस साल चुनाव भी होने हैं।

इसके बाद केरल सरकार ने केन्द्र सरकार से इस संबंध में कार्रवाई का अनुरोध किया था। इस पर केन्द्रीय गृह मंत्रालय में विचार किया गया और प्रस्ताव को गृहमंत्री श्री अमित शाह के अनुमोदन के बाद इस पर कैबिनेट के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया। इस प्रस्ताव पर कानून और न्याय मंत्रालय के कानूनी और विधायी विभाग की राय के बाद इसे मंत्रिमंडल के समक्ष लाया गया था।

भारतीय पर्वतारोहियों ने दक्षिण अमेरिका की माउंट एकांकागुआ पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

भारतीय पर्वतारोहियों के छह सदस्यीय दल ने दक्षिण अमेरिका के सबसे ऊंचे शिखर और एशिया के बाहर दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची चोटी माउंट एकांकागुआ पर फतह हासिल कर ली है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने यह दल 5 फरवरी को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली से रवाना किया था, जिसने 22 फरवरी को दोपहर 2:10 बजे सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की।

उत्तरकाशी के नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) और पहलगाम के जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान (जेआईएम एंड डब्ल्यूएस) की ओर से यह संयुक्त अभियान संचालित किया गया। नई दिल्ली से रवाना हुए छह सदस्यीय दल में कर्नल हेमचंद्र सिंह, कैप्टन जी संतोष कुमार, दीप बहादुर साही, विनोद गुसैन, नायब सिपाही भूपिंदर सिंह और हवलदार रमेश कुमार हैं। इन सभी ने दक्षिण अमेरिका के सबसे ऊंचे शिखर और एशिया के बाहर दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची चोटी माउंट एकांकागुआ पर तिरंगा फहराकर भारतीय पर्वतारोहण के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

कर्नल हेमचंद्र सिंह के नेतृत्व में यह दल 8 फरवरी को अर्जेंटीना पहुंचा और वहां से अपनी चढ़ाई शुरू की और 22 फरवरी को दोपहर 2:10 बजे सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी

की। इस दल ने माउंट एकांकागुआ की बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना करने से पहले वातावरण के अनुकूल ढलने के लिए बोनेट पीक (5,050 मीटर) पर विजय प्राप्त की। कैप्टन जी संतोष कुमार, दीप बहादुर साही, विनोद गुसाई, नायब सिपाही भूपिंदर सिंह और हवलदार रमेश कुमार सहित दल के सदस्यों ने तेज हवाओं और –20 डिग्री से –30 डिग्री सेल्सियस तापमान की चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करते हुए असाधारण साहस, आपसी सहयोग और तालमेल के साथ पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन किया।

आईसीसी महिला टी–20 विश्व कप का पूरा कार्यक्रम घोषित, 12 जून से इंग्लैंड में होगा आगाज

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आईसीसी महिला टी–20 विश्व कप 2026 के पूरे कार्यक्रम की घोषणा कर दी। टूर्नामेंट का 10वां संस्करण 12 जून से 5 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह अब तक का सबसे बड़ा महिला टी20 विश्व कप होगा।

मेजबान इंग्लैंड 12 जून को उद्घाटन मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा। 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर आयरलैंड और स्कॉटलैंड के बीच ऑल–यूरोपीय मुकाबला खेला जाएगा। 20 जून को हेडिंग्ले मैदान पर इंग्लैंड और स्कॉटलैंड आमने–सामने होंगे। यह पहला अवसर होगा जब दोनों टीमें इंग्लैंड की धरती पर किसी आईसीसी प्रतियोगिता में एक–दूसरे से भिड़ेंगी।

हाल ही में नेपाल में आयोजित आईसीसी महिला टी–20 विश्व कप क्वालीफायर के जरिए बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। अब ये चारों टीमें गत चैंपियन न्यूजीलैंड, 2009 की पहली विजेता इंग्लैंड, 2016 की चैंपियन वेस्टइंडीज, मौजूदा एकदिवसीय विश्व कप विजेता भारत और छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ खिताबी दौड़ में शामिल होंगी। नीदरलैंड की टीम पहली बार आईसीसी महिला टी–20 विश्व कप में भाग लेगी और अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। बांग्लादेश ने क्वालीफायर टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए जगह बनाई थी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 5 जुलाई को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

ग्रुप एः ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड।

ग्रुप बीः वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

वात दोष को संतुलित करने में लाभकारी है त्रिफला, जान लें सेवन का सही तरीका

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

मानव शरीर को सुचारू रूप से चलाने के लिए तीन दोषों का संतुलित रहना बहुत जरूरी है, जिसमें वात, पित्त और कफ शामिल है। सर्दियों में प्राकृतिक रूप से शरीर में वात दोष की वृद्धि होती है और जोड़ों में दर्द, पेट से जुड़ी समस्या और हड्डियों से जुड़े रोग परेशान करने लगते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक आयुर्वेदिक औषधि वात दोष को संतुलित करने में सहायक है? हम बात कर रहे हैं त्रिफला की, जो सिर्फ पेट से जुड़ी समस्याओं से नहीं बल्कि वात को संतुलित करती है। हालांकि, इसके सेवन करने का तरीका भी इसे प्रभावित करता है।

आयुर्वेद में माना गया है कि वात की वृद्धि को रोकना है तो त्रिफला का सेवन वसा के साथ करना लाभकारी होगा। वसा के साथ मिलकर त्रिफला ज्यादा तेजी से काम करता है, जैसे घी के साथ त्रिफला का सेवन। रात के समय एक गिलास गुनगुने पानी में आधा से एक चम्मच त्रिफला और शुद्ध देसी गाय का घी मिलाकर लेना चाहिए। इससे आंतों में चिकनाहट पैदा होती है और विषाक्त पदार्थों को निकालने में आसानी होती है।

दूसरा तरीका है 'त्रिफला घृत'। आयुर्वेद में 'त्रिफला घृत' को औषधि माना गया है, जिसमें घी को कई औषधियों के साथ मिलाकर पकाया जाता है। अगर बढ़ते वात दोष से परेशान हैं तो रात के समय 'त्रिफला घृत' का सेवन कर सकते हैं। ये वात को संतुलित करने के साथ पेट से जुड़े

रोगों से भी निजात दिलाएगा।

तीसरा तरीका है अरंडी के तेल के साथ त्रिफला का सेवन। वात की वृद्धि के साथ पेट में कब्ज की समस्या परेशान करने लगती है। इसके लिए अरंडी के तेल की कुछ बूंदें त्रिफला चूर्ण के साथ मिलाकर पानी के साथ ली जा सकती हैं। इससे आंतों की गतिशीलता बढ़ती है। ध्यान रखने वाली बात ये है कि सर्दियों में शाम और रात के वक्त वात प्राकृतिक रूप से बढ़ने लगता है और ऐसे में रात का खाना खाने के बाद 2 घंटे के गैप के साथ त्रिफला का सेवन करें।

वात की वृद्धि से शरीर में जकड़न, कब्ज, तनाव, नींद न आने की परेशानी, जोड़ों में दर्द, बेचैनी और शरीर में कंपन पैदा होने लगता है। ये मानसिक थकान से लेकर शारीरिक दर्द तक को बढ़ा देता है।

40 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों के लिए ईएसआईसी के वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने श्रम संहिता के अनिवार्य प्रावधानों के तहत आज 40 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम . ईएसआईसी के वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का शुभारंभ किया। नई दिल्ली में ई.एस.आई.सी के 75वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान यह पहल की गई।

इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने कहा कि यह कदम निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने और श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार की .ढ़ प्रतिबद्धता दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ई.एस.आई.सी की स्थापना 1952 में मात्र एक लाख बीस हजार लाभार्थियों के साथ हुई थी। अब यह 15 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान करता है। संगठन का देश भर में 156 अस्पतालों, 17 मेडिकल कॉलेजों और लगभग सोलह सौ औषधालयों का एक व्यापक नेटवर्क है।

उन्होंने कहा कि ई.एस.आई.सी के नेटवर्क में निरंतर

वृद्धि श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य देखभाल कवरेज को मजबूत करने की दिशा में सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और ई.एस.आई.सी के बीच ईएसआई योजना को आयुष्मान भारत . प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ एकी.त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

भारत के साथ आयरन डोम तकनीक साझा करेगा इजरायलः महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय विदेश दौरे पर इजरायल जाने वाले हैं। भारत में इजरायल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने प्रधानमंत्री के इजरायल दौरे को लेकर समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। उन्होंने कहा कि इजरायल भारत के साथ अपने द्विपक्षीय रक्षा समझौते को बढ़ाने की योजना बना रहा है ताकि अपनी टेक्नोलॉजी शेयर की जा सके और भारत में मिलिट्री हार्डवेयर बनाया जा सके। साथ ही लेटेस्ट आयरन डोम और दूसरे डिफेंस सिस्टम में भी सहयोग बढ़ाया जा सके।

महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने दोनों देशों के बीच संबंध को लेकर कहा, "सबसे पहले मुझे गर्व है कि न सिर्फ दोनों देशों के बीच, बल्कि दोनों नेताओं के बीच भी बहुत मजबूत कनेक्शन है। हमने यह देखा और हम जानते हैं कि वे अक्सर बात करते हैं और वे एक विजन शेयर करते हैं। खास तौर पर, जैसा कि मैंने कहा, क्योंकि हम एक जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और भारत आज इजरायल का एक बड़ा पार्टनर है और वे दोनों नेता, वे करीबी दोस्त हैं और वे एक ही विजन शेयर करते हैं, जो बहुत जरूरी है।" प्रधानमंत्री के इजरायल दौरे को लेकर रेवाच ने कहा, "हम बहुत उत्साहित हैं कि प्रधानमंत्री मोदी इस हफ्ते इजरायल जा रहे हैं। इजरायल और भारत के बीच खास संबंधों को समझना जरूरी है और हम आज भारत को एक ग्लोबल सुपरपावर के तौर पर देखते हैं। इजरायल के इस दौरे के बारे में एक कैबिनेट प्रस्ताव भी है और यह कुछ पहलुओं, राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा प्रस्तावों पर ध्यान देगा।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है, क्योंकि जब आप दोनों नेताओं को एक साथ मिलते हुए देखेंगे और इस एजेंडा को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे और खास तौर पर दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए कुछ प्रस्तावों को बढ़ावा देंगे, और कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देंगे, तो यह प्राइवेट सेक्टर, कंपनियों तक जाएगा, ताकि वे भी सहयोग को बढ़ावा देने की कोशिश करें। साथ ही, दोनों देश आतंकवाद से भी निपट रहे हैं, तो यह उनके लिए भी एक संदेश है, और प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने खास तौर पर कहा कि इस दौरे का एक पहलू रक्षा सहयोग है, और हम भारत के साथ रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने और अपग्रेड करने की कोशिश करते हैं, निश्चित रूप से।"

भारत और अमरीका के बीच संयुक्त विशेष सैन्य अभ्यास वज्र प्रहार हुआ शुरू

नई दिल्ली, 24 फरवरी। भारत और अमरीका के बीच संयुक्त विशेष सैन्य अभ्यास वज्र प्रहार का 16वां संस्करण आज हिमाचल प्रदेश में शुरू हो गया। यह अभ्यास अगले महीने की 16 तारीख तक चलेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह अभ्यास हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित विशेष बल प्रशिक्षण विद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय सेना की ओर से विशेष बल इकाइयों के 45 जवान इस अभ्यास में भाग ले रहे हैं, जबकि अमरीका की ओर से विशेष बलों के ग्रीन बेरेट्स के 12 जवान शामिल हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य अंतर–संचालन, संयुक्तता और विशेष अभियान रणनीतियों के आदान–प्रदान में सुधार करके दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ाना है।

लेह की वो जगह जहां खत्म होती है सड़क और शुरू होती है कहानी, बॉर्डर से सटा गांव बन गया घूमने वालों की पहली पसंद

नई दिल्ली, 24 फरवरी।

लद्दाख का नाम आते ही लोगों के दिमाग में बर्फीले पहाड़, मठ और नीली झीलों की तस्वीर उभर आती है. लेकिन लद्दाख के लेह जिले में एक ऐसा गांव भी है, जो अपनी खूबसूरत वादियों के साथ–साथ भारत–पाकिस्तान सीमा से जुड़ी अनोखी कहानी के कारण जाना जाता है. इस गांव का नाम है तुरतुक गांव. यह गांव लेह से लगभग 205 किलोमीटर दूर नुब्रा घाटी में स्थित है और इसे भारत का आखिरी गांव भी कहा जाता है.

तुरतुक लंबे समय तक आम लोगों के लिए बंद रहा था. साल 2010 के बाद ही इसे टूरिज्म के लिए खोला गया. यही वजह है कि आज भी यहां की संस्कृति, भाषा और लाइफस्टाइल बिल्कुल अलग और शुद्ध रूप में देखने को मिलती है. यह गांव 1971 के भारत–पाक युद्ध से पहले पाकिस्तान का हिस्सा था, लेकिन बाद में भारत में शामिल हुआ. यही इतिहास इसे बाकी गांवों से अलग बनाता है.

तुरतुक गांव श्योक नदी के किनारे बसा हुआ है और बाल्टी समुदाय का निवास स्थान है. यहां के लोग बाल्टी भाषा बोलते हैं और उनकी संस्कृति लद्दाख के बाकी हिस्सों से काफी अलग है. गांव में हरियाली, खुबानी के बाग, लकड़ी–मिट्टी के पारंपरिक घर और पहाड़ों से आती ठंडी हवा इस जगह को बेहद सुकूनभरा बनाती है. यहां का जीवन आज भी बहुत सरल और प्रकृति के करीब है.

तुरतुक में बड़े होटल नहीं हैं, लेकिन यहां कई अच्छे होमस्टे मौजूद हैं. इन होमस्टे में रुककर आप स्थानीय लोगों के साथ रह सकते हैं और उनकी संस्कृति को करीब से समझ सकते हैं. अगर आप ज्यादा सुविधाजनक ठहराव चाहते हैं, तो नुब्रा घाटी के हंडर और डिस्किट में होटल

और गेस्ट हाउस मिल जाते हैं. हालांकि, तुरतुक में रात बिताने का अनुभव सबसे खास माना जाता है.

तुरतुक में देखने के लिए बहुत कुछ है. यहां का मुख्य आकर्षण गांव की प्राकृतिक सुंदरता, श्योक नदी, बाल्टी विरासत संग्रहालय और पुराने लकड़ी के पुल हैं. इसके अलावा गांव की आखिरी सड़क, जहां से आगे पाकिस्तान की सीमा ज्यादा दूर नहीं है, पर्यटकों को खासा आकर्षित करती है. यहां से दिखने वाले पहाड़ और सूर्योदय–सूर्यास्त के दृश्य यादगार होते हैं.

तुरतुक पहुंचने के लिए पहले लेह जाना होता है. लेह देश के प्रमुख शहरों से हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ है. लेह से नुब्रा घाटी जाने के लिए खारदुंग ला दर्रे को पार करना पड़ता है. लेह से तुरतुक की दूरी लगभग 205 किलोमीटर है. टैक्सी या बाइक से यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है. चूंकि यह सीमावर्ती इलाका है, इसलिए इनर लाइन परमिट लेना जरूरी होता है. अगर आप लद्दाख में भीड़ से दूर, इतिहास, संस्कृति और सीमा से जुड़ा एक अलग अनुभव चाहते हैं, तो लेह का आखिरी गांव तुरतुक आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर होना चाहिए.